लेकर जाते हैं मजदूर कि इस आदमी ने हमको मारा है, रिपोर्ट लिखो, वह लिखी नहीं जाती ।

इसलिए मैं चाहूंगा कि इन सब चीजों के बारे में सरकार सफाई से अपनी बात रखे और यह जो सारे चार्जेज, लीडर्ज और अफसरों को भेजे गये हैं, उसकी तुरंत जांच की जाए और मोदी नगर में जो हड़ताल अमन से चल रही है यह टूटे, अमन से बातचीत हो, इसके लिए सरकार को कुछ तत्काल कदम उठाने चाहिएं । यही मेरा निवेदन है ।

REFERENCE TO THE REPORTED SEIZURE OF A CLANDESTINE RADIO STATION NEAR ANANTNAG IN KASHMIR.

श्री शिव चन्द्र झा (बिहार) : मैं आपका और सदन का ध्यान एक अहम विषय की ओर खींचना चाहता हूं और वह यह है कि देश में अभी भी छिपे रुस्तम रेडियो स्टेशन चला रहे हैं । यहां से प्रसारण हो रहा है हमारे देश के खिलाफ, बहुत तरह का हमारी सुरक्षा के खिलाफ, यह गतिविधियां चल रही हैं । लेकिन सरकार क्या कर रही है, इसका कुछ पता नहीं चल रहा है ।

अभी आज के अखबारों में खबर आई है जिसको मैं पढ़ कर सुनाना चाहता हूं कि—भले ही और मायने में वह खराब हो—वह अखबार दिल्ली का स्टेट्समैन है । लेकिन यह जो समाचार है, वह आपको पढ़ कर सुनाना चाहता हूं ।

":A Clandestine Radio Station was seized by Kashmir police in Dyalgam village, 5 k.m. from Anantnag town in Southern Kashmir yesterday.

According to reports published prominently in almost all dailies today quoting police sources, a youngman named Imtiaz Ahmed, who was reported to have set up this clandestine radio station, has been detained and the equipment has been seized from his home.

According to these reports, the radio station broadcast advertisements from 10.00 a.m. soon after the morning transmissions of the Srinagar Station of All India Radio and Radio Kashmir ended. In evening also it made broadcasts from 5 p.m. to 6 p.m.

This had been going on for three weeks. Police, according to these reports, traced the location of the station last evening."

उपसभाध्यक्ष महोदय, कई सप्ताह से यह ट्रांसमिशन ब्राडकास्ट हो रहा था । तो संभव है कि देश के और जगहों में भी यह खुराफात चल रही हो और ट्रांसमिशन से ब्राडकास्ट हो रहा हो छुपे-रुस्तम तौर से, जो कि हमारी सुरक्षा तैयारियों के खिलाफ हो, हमारी आजादी के लिए खतरा हो । इसीलिए मैं मंत्री

[श्री शिव चन्द्र झा]

महोदय से चाहूंगा, वे बताएं ऐसी गतिविधियाँ रोकने के लिए, खासकर काश्मीर क्षेत्र में यह जो हुआ है--वह कैसा ब्राडकास्ट कर रहे थे, क्या वह पाकिस्तान का था या कहीं दूसरी जगह का था--क्या कदम उठा रहे हैं? मंत्री जी इन सब के बारे में यहाँ वक्तव्य दें और यह भी बताएं कि उनके सामने कौन से कार्यक्रम हैं कि इस तरह का छुपे-रुस्तम ब्राडकास्ट देश में न होने पाए।

आखिरी बात उपसभाध्यक्ष महोदय। उनको बहुत समय दिया आपने। मैं दो ही शब्द कहना चाहता हूं। मधुबनी में विद्यार्थियों के ऊपर... (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): No please.

श्री शिव चन्द्र झा पुलिस ने गोली चलायी, एक मारा गया (*Interruptions*) एक घायल हुआ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): Order please.

श्री शिव चन्द्र झा: इसकी उच्चस्तरीय जाँच कराएं।

REFERENCE TO THE REPORTED COLLABORATION BY THE GOVERNMENT WITH A MULTINATIONAL FIRM FOR THE MANUFACTURE OF GILLETTE BLADES

डा० भाई महावीर (मध्य प्रदेश): श्रीमन्, अभी जितने विशेष उल्लेख जिस ढंग के हुए हैं मैं उन से कुछ अलग प्रकार का उल्लेख करने के लिए खड़ा हुआ हूं। परसों के अखबारों में महोदय, एक समाचार छपा है कि भारत सरकार ब्लेड इंडस्ट्री में एक फारेन कोलेबोरेशन की इजाजत देने का विचार कर रही है और यहाँ तक कहा गया है कि जो प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड है यह सोमवार की अपनी बैठक में शायद इसकी इजाजत दे देगा।

महोदय, यह जिलेट कंपनी के साथ 30 परसेन्ट का इक्विटी पार्टिसिपेशन लेकर भारत में ब्लेड बनाने का एक कारखाना खड़ा करने की कोशिश हो रही है जिसकी कुल छ: करोड़ रु० कीमत लगेगी, यह खबर है। महोदय, समाचार की रिपोर्ट है कि जितनी जल्दी शार्ट कट करके हो सके, यह करने की कोशिश हो रही है जब कि यह रूल्स के और अब तक के निर्धारित पालिसी के विरुद्ध है। इस तरह का इक्विटी पार्टिसिपेशन किसी बड़ी मल्टी-नेशनल कम्पनी के साथ करना, ऐसे क्षेत्र में जिसमें हमारी अपनी योग्यता स्थापित हो चुकी है, यह सरकारी नीति के विरुद्ध है। महोदय, यह फाइनेंशियल एक्सप्रेस की मेन हेडलाइन है, 7 तारीख की, और पैट्रियट की भी खबर है 7 तारीख की। पहले इसी तरह का प्रपोजल आया था 1978 में और प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड ने उसको 3 कारणों से रद्द किया था। पहला कारण यह था कि--

—foreign equity is not permissible in this line of manufacture.

दूसरा यह कि--

—the scheme aimed at manufacturing only the conventional types of blades where sufficient indigenous capacity has already been established.

और तीसरा--

—foreign exchange balance-sheet is adverse.